**सामान्य विषय–2**

# हिन्दी

## कक्षा–शिक्षणः विषयवस्तु

- कहानी, लोककथा, रोचक प्रसंगों को ध्यानपूर्वक सुनना व याद करना।
- परिवेशीय विषयों, सामाजिक घटनाओं, स्व अनुभवों पर चर्चा।
- गद्य व पद्य के अंशों को शुद्ध उच्चारण, लय एवं उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ना, बोलना।
- स्वतंत्र (मौखिक एवं लिखित) अभिव्यक्ति।
- स्तरानुसार गद्य–पद्य में शब्दों, वाक्यांशों, विराम चिन्हों एवं समान ध्वनियों को समझना।
- उपसर्ग, प्रत्यय, सामासिक पदों की पहचान व प्रयोग।
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया विशेषण, वचन, लिंग तथा काल को पहचानना।
- पाठ्यवस्तु का मौन वाचन करते हुए उसमें निहित विचारों, भावों एवं तथ्यों को समझना।
- शिक्षक के निर्देशानुसार छोटे–छोटे वाक्य लिखना।
- औपचारिक अनौपचारिक पत्र लिखना।
- परिचित विषयों पर मौलिक रूप से लिखना।

**प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडलः प्रशिक्षु शिक्षकों को हिन्दी के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, जानकारी एवं घटनाओं के अन्तः सम्बन्धों को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, खेल, गतिविधि, दृश्य–श्रव्य(वीडियो/आडियो), सामग्री, प्रयोग तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।**

- कहानी, लोककथा के संग्रह तैयार करना।
- उपसर्ग, प्रत्यय, सामसिक के विभेद हेतु चार्ट/मॉडल बनाना।
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया विशेषण, वचन, लिंग को चार्ट/मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत करना।
- विभिन्न शब्दों के विभिन्न रूपों (संज्ञा, सर्वनाम .....) को चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना।
- पत्रों के प्रकार एवं उनमें मूलभूत अन्तर को चार्ट/मॉडल के माध्यम से स्पष्ट करना।
- समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं से कक्षा शिक्षण के लिये उपयोगी सामग्री का संकलन तैयार करना।